

माँ गे पड़लौ पुत्र विपत्ति में तू चुप कोना बैसल छ गे



माँ गे पड़लौ पुत्र विपत्ति में,
तू चुप कोना बैसल छ गे,
हे कोना बैसल छ गे,
माँ तू कोना बैसल छ गे।bd।

दर दर स भटकल माँ गे,
शरण मे तोड़े आयल छी,
दूग मुइन बैसल छ गे,
तू दूग मुइन बैसल छ गे,
माँ गे पड़लौ पुत्र विपत्ति में,
तू चुप कोना बैसल छ गे।bd।

आँख के लोर है जननी,
तोड़ा छोड़ दोसर के पोछतै,
बीच भँवर फसल छी गे से,
बीच भँवर फसल छी गे,
माँ गे पड़लौ पुत्र विपत्ति में,
तू चुप कोना बैसल छ गे।bd।

जनम मरण स मुक्ति,
वर तू माँ हमरा द दे,
दर्शन ल बेकल छी गे,
हम दर्शन ल बेकल छी गे,
माँ गे पड़लौ पुत्र विपत्ति में,
तू चुप कोना बैसल छ गे।bd।

माँ गे पड़लौ पुत्र विपत्ति में,
तू चुप कोना बैसल छ गे,
हे कोना बैसल छ गे,
माँ तू कोना बैसल छ गे।bd।

गायक – रामविलाश यादव।

Upload – Manish Kumar Thakur

8340447139

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>